Course Learning Outcomes (CLO)

Pedagogy of Mathematics

B.Ed; Semester: First

Curricular Expectations:

To enable the pupil teacher to:

1. Understand and appreciate the uses and significance of Mathematics in daily life.
2. Learn various approaches of teaching Mathematics and to use them judiciously.
3. Learn the methods of providing instruction for the classroom.
4. Organise curricular activities.
5. Appreciate activities to develop aesthetics of Mathematics
6. Update their knowledge of content in mathematics
7. first develop insight into the meaning nature scope and objective of mathematics education
8. Appreciate mathematics as a tool to engage the mind of every student
9. Appreciate the role of mathematics in day to day life
10. Learn important mathematics is more than formula and mechanical procedures;
11. See mathematics as something to talk about to communicate through to discuss among themselves to work together on;
12. Pose and solve meaningful problems
13. Appreciate the importance of mathematics laboratory in learning mathematics;
14. Construct appropriate assessment tools for evaluating mathematics learning;
15. Develop ability to use the concept of life skills;
16. Stimulate curiosity creativity and inventiveness in mathematics;
17. Develop competencies for teaching learning mathematics through various measures
18. Focus on understanding the nature of children mathematical thinking through direct observations of children thinking of learning processes;
19. Examine the language of mathematics engaging with research on children's learning to specific areas.

Scanned with CamScanner

Some of the Pedagogical Processes for Pedagogy of Mathematics Course Outcomes: -

1. Collect the names of Indian Mathematicians .Prepare a report about their contribution to Mathematics.
2. Take up a problem in mathematics (from any area like number system, geometry etc.). Make a group of 3 or 4 students to discuss about the probable ways of solving it. Note the different ideas that were generated about the related concepts while solving the problem . Prepare a report about it.
3. Read the Focus Group paper on Teaching of Mathematics. Interact with a group of students of upper primary or secondary stage. Check how far the observations made in the Focus Group Paper are relevant regarding-
   - Problems in teaching and learning of mathematics.
   - Fear of mathematics• Prepare a report about your observations. 4.
4. Develop a topic that meets the expectations of Vision Statement in the Mathematics Focus Group Paper (of NCF 2005). Based on it interact with a group of students. Prepare a report based on the following points-
   - Recall how the topic was taught to you in your school. See what is same and• what is different as far as learning of the topic is concerned.
   - Did the students enjoy learning the topic? How do you know that?

Scanned with CamScanner

Philosophy

Bed I Semester

UNIT -1		
क.	सीखने सिखाने की प्रस्तावित प्रकियाएं	सीखने के प्रतिफल
01	शिक्षा पर परिचर्चा का आयोजन	1. शिक्षा के शाब्दिक अर्थ, संकुचिन अर्थ, व्यापक अर्थ व विश्लेषणात्यक अर्थ की समझ बनेगी
02	विभिन्न विद्वानों के शिक्षा पर विचारों परिभाषाओं का अध्ययन	2. शिक्षा को विभिन्न प्रकार से जानकर परिभाषित कर पायेंगें। वर्तमान सामाजिक आर्थिक परिवेश के अनुसार शिक्षा की विवेचना कर सकेंगे।
03	शिक्षा की प्रकृति एवं घटक पर सरल प्रदर्शन	3. शिक्षा की प्रकृति व प्रकिया को जान सकेंगे। शिक्षा के प्रमुख घटकों एंव उनके महत्व को जान कर विवेचना कर पायेंगे।
04	शिक्षा व साक्षरता एवं शिक्षा व विद्यालयीकरण पर ग्रुप डिस्कशन	4. शिक्षा व साधना एवं शिक्षा व विद्यालीय कार्य के अन्तर को समझकर व्याख्या करने में समर्थ होंगे।
05	शिक्षा के उद्श्य पर प्रस्तुतीकरण	5. समय एवं स्थान के अनुसार शिक्षा के उद्श्यों में परिवर्तन सदा वर्तमान परीस्थियों के अनुसार शिक्षा के उद्देश्यों को जानेंगे।
06	पश्चिमी शिक्षा पर चर्चा	6. पश्चिमी शिक्षा की विशेषताओं एवं उद्देश्य की समझ बनेगी।
07	दर्शन एवं शिक्षा के संबंध पर परिचर्या	7. दर्शन का अर्थ, शिक्षा का दर्शन पर सदा दर्शन का शिक्षा पर प्रभार को मान सकेंगे।

Scanned with CamScanner

UNIT -2		
क.	सीखने सिखाने की प्रस्तावित प्रकियाएं	सीखने के प्रतिफल
01	अरस्तु एवं जैनधर्म के संदर्भ में परीचर्या	1.जैन धर्म एवं अरन्तु के विचारों के अनुसार दोनो दर्शन के मध्य तुलना कर पायेंगे एवं अंतर को स्पष्ट कर सकेंगे।
02	रूसो व रवीन्द्रनाथ टेगोर के विचारों के संदर्भ में प्रकतिवाद पर प्रस्तुतीकरण	2. रूसो व रवीन्द्रनाथ टैगोर के विचारों के सदंर्भ में प्रकतिवार पर प्रस्तुतिकरण
03	आदर्शवाद पर प्लेटो सुकरात व अद्वेन दर्शन के संबंध में परिचर्चा	3. आदर्शवाद को विभिन्न बिंदुओं पर प्लेटो,सुकरान व अदेत दर्शन के अनुसार समझा पाने की विश्लेषण कर पायेंगे।
04	ज डीवी के प्रयोजनवाद के संदर्भ में प्रयोजनवाद की समझ कर विश्लेषण कर सकेंगे।	
05	मनवतावाद पर एतिहासिक वैज्ञानिक व बौध्दो के अनुसार समझ बनेगी, व अंतर व समानता का विश्लेषण कर सकेंगे।	

Scanned with CamScanner

UNIT -3		
क.	सीखने सिखाने की प्रस्तावित प्रकियाएं	सीखने के प्रतिफल
01	महात्मा गांधी के जीवन दर्शन व शिक्षा दर्शन की समझ बनेगी बेसिक शिक्षा के गुण, 344104 विवेचना कर सकेंगे।	महात्मा गांधी बेसिक शिक्षा के मूल सिद्धांत पर ग्रुप डिस्कशन
02	गिज्मू आई की धालोकदित शिक्षा व दार्शनिक विचारों का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।	गिज्मू आई– बालक का संसार पर परिचर्चा व नाटय का प्रदर्शन
03	स्वामी विवेकानंद की मानव निर्माण शिक्षा को जानकर वर्तमान समय के अनुसार स्वामी विवेकानंद की शैक्षिक विचार की प्रासंगित्कता पर विचार कर सकेंगे।	स्वामी विवेकानंद – मानव निर्माण शिक्षा पर व्याख्यान
04	श्री अरविंद के जीवन दर्शन व शिक्षक दर्शन से जानकर .....शिक्षा के अर्थ, उद्देश्य पाठयकम, अनुसार विवेचना व विश्लेषण कर सकेंगे।	श्री अरविंद भी शिक्षा पर विभिन्न समूहों द्वारा प्रस्तुतीकरण
05	जे. कृषणमूर्ति के व्यदिनच्य व कार्थ को जानकर उनके शैक्षिक विचारों की समालोचना करने में समर्थ होंगे।	जे.कृष्णमूर्ति के शिक्षा दर्शन पर परिचर्चा

Scanned with CamScanner

UNIT -4		
क.	सीखने सिखाने की प्रस्तावित प्रकियाएं	सीखने के प्रतिफल
01	रूसों के शिक्षा दर्शन को जानकर निषेधात्मक शिक्षक स्त्री शिक्षा व प्रकतिवादी विचारधारा का विश्लेषण कर सकेंगे।	1.जे.जे. रूसों – पर व्याख्यात
02	ज्ञान वी के प्रोजेक्ट पद्नि व जनतागिक शिक्षा से समझ सकेंगे व डीवी का आलोचनात्मक मूल्यांकन कर सकेंगे।	2. ज्ञान डीवी पर ग्रुप प्रस्तुतीकरण
03	अंटोनियो एंड पाउलो फ्रेर के शिक्षा दर्शनरी	3. अंतोनियो ग्राम्शी पर परिचर्चा
04	तुलना करने में योग्य होंगे।	4. पाडलो फ्रेरे पर प्रस्तुतीकरण

UNIT -5		
क.	सीखने सिखाने की प्रस्तावित प्रकियाएं	सीखने के प्रतिफल
01	पाश्चात्य व भारतीय विचारों के सामाजिक राजनीतिक दृष्टिकरण का समक्षलीन परिपेक्ष्य में आलोचनात्मक एंड तुलनात्मक विवेचना कर सकेंगे।	1. पाश्चात्य व भारतीय विचारकों के सामाजिक राजनीतिक संदर्भ में शिक्षा व्यवस्था का आलोचनात्मक व तुलनात्मक अध्ययन पर वाद विवाद का आयोजन
02	शिक्षा के समकालीन दार्शनिक परीप्रेक्ष्य में वैक्जीणक व आधुनितीकरण की समझ बनेगी।	2. शिक्षा के समकालीन दार्सनिक परीप्रेक्ष्य में वैक्जीणक व आधुनितीकरण पर परीचर्चा
03	शिक्षक वैशवीकरण का प्रभाव की जानकारी होगी।	
04	शिक्षा के आधुनितीकरण का विश्लेषन कर सकेंगे।	
05	समसाममिक दार्शनिकों के दृष्टिके की विवेचना कर सकेंगे।	

Scanned with CamScanner

बी.एड. प्रथम सेमेस्टर,

Pedagogy of Physical Science Part - I

- विज्ञान की प्रकृति की समझ रखते हैं।
- पर्यावरण, स्वास्थ्य, शांति, समानता आदि के लिए भौतिक विज्ञान शिक्षण के महत्व को समझते हैं।
- वैज्ञानिक अभिवृत्ति, प्राकृतिक जिज्ञासा, रूचिपूर्ण समझ, रचनात्मकता का विकास करने में भौतिक विज्ञान की भूमिका को समझते हैं।
- विषयवस्तु की आवश्यकता के अनुरूप भौतिक विज्ञान शिक्षण की विधियों की समझ रखते हैं
- विद्यार्थियों में संवाद, स्थानीय संसाधनों के उपयोग, सहभागिता, प्रश्न पूछने की सराहना, गतिविधियों के विकास आदि के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं।
- भौतिक विज्ञान के राज्य एवं NCERT में प्रचलित पाठ्यक्रमों एवं पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
- भौतिक विज्ञान के प्रकरणों की व्याख्या वैज्ञानिक विधि से करने में सक्षम होंगे।

Scanned with CamScanner

बी.एड. तृतीय सेमेस्टर,

Pedagogy of Physical Science Part - II

- भौतिक विज्ञान शिक्षण में अपने चारों ओर के पर्यावरण में उपस्थित अधिगम संसाधनों की पहचान करने में सक्षम होंगे।
- शिक्षण अधिगम सामग्री के रूप में वैकल्पिक साधनों का निर्माण एवं उपयोग करने में सक्षम होंगे।
- भौतिक विज्ञान शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में ICT का उपयोग करने में सक्षम होंगे।
- भौतिक विज्ञान शिक्षण में आकलन की विविध विधियों का उपयोग करने में सक्षम होंगे।
- प्रदर्शन आधारित आकलन हेतु उपयुक्त इंडीकेटर बनाने में सक्षम होंगे।
- शिक्षण–अधिगम अनुभवों, गतिविधियों का संगठन, प्रयोगशाला के अनुभवों, समूह कार्यों, ICT गतिविधियों आदि को समेकित करने में सक्षम होंगे।
- विधार्थियों की प्राकृतिक जिज्ञासा को सम्बोधित करने में सक्षम होंगे।
- शिक्षण–अधिगम में विविध गतिविधियों जैसे – वाद–विवाद, चर्चा, रोल–प्ले, पोस्टर निर्माण का एकीकरण करने में समक्ष होंगे।
- स्वंय के व्यावसायिक विकास के लिए विभिन्न सेमीनारों, कार्य–शालाओं, कान्फ्रेन्स आदि में सहभागिता के महत्व को समझेंगें।
- अनुसंधान एवं क्रियात्मक अनुसंधान की प्रक्रिया में संलग्न होंगे।

Scanned with CamScanner

मूल्य शिक्षण
चतुर्थ सेमेस्टर

क्र.	सीखने–सिखाने की प्रस्तावित प्रक्रियाएं	सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)
1.	सभी छात्राध्यापकों को व्यक्तिगत सामूहिक रूप मूल्य शिक्षा की प्रकृति और मूल्यों के स्त्रोत प्रश्नोत्तर एवं व्याख्यान तथा के द्वारा अवसर प्राप्त हों।	छात्राध्यापकों मूल्य की प्रकृति एवं मूल्यों के स्त्रोत पर अपने विचार की अभिव्यक्ति कर सकेंगे।
2.	मूल्य परिवर्तनशील होते है केस स्टडी पर विमर्श हो।	मूल्य परिवर्तनशील होते है अवगत हो सकेंगे।
3.	मूल्य निर्धारकों के प्रकार एवं उदाहरणों पर सूक्ष्मता से चर्चा के अवसर प्राप्त हों।	दार्शनिक, जीव वैज्ञानिक, आर्थिक, धार्मिक, मनोविज्ञान, सामाजिक, परिस्थितिक शैक्षिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक मूल्य निर्धारकों पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते है उदाहरण देकर मूल्य के निर्धारकों को समझ सकेंगे।
4.	मूल्यों का वर्गीकरण पदार्थीय, सामाजिक, नैतिक, आर्थिक, अध्यात्मिक, धर्मनिरपेक्षता, संवैधानिक, वैश्विक, वैज्ञानिक सांस्कृतिक मूल्यों पर राय लेने–देने और प्रश्न करने की स्वतंत्रता हो। वाद–विवाद "जीवन जीने के लिए सामाजिक मूल्य की अपेक्षा आर्थिक मूल्य अधिक महत्वपूर्ण हैं।	अपने परिवेश में मौजूद विभिन्न मूल्यों की चर्चा करते है और उनकी सराहना करते है। वाद–विवाद में अपने अनुभव, समाज एवं मतापुरूषों के उदाहरणों से तर्क पक्ष एवं विपक्ष में अभिव्यक्त कर सकेंगे।
5.	अवमूल्य, नकारात्मक मूल्यों जैसे – पदार्थीय, सामाजिक नैतिक, धार्मिक के उत्पन्न होने के कारण प्रभाव पर सुनने, बोलने, पढ़ने एवं लिखकर गतिविधियों की अभिव्यक्ति हो।	सामाजिक, पदार्थीय, नैतिक धार्मिक गैर मूल्यों/नकारात्मक मूल्यों के अभिव्यक्ति होने के कारण, प्रभाव तथा शिक्षा द्वारा उनके समाधान के बारे में क्रियान्वयन कर सकने में सक्षम होंगे।
6.	मूल्य बोध के स्तर मूल्य निर्माण की प्रक्रिया और मूल्य बोध को प्रभावित करने वाले कारकों पर ।नजव `नहहमेजपवद तमसिमजपवद विभिन्न आडियो/विडियों सामग्री को देखकर सुनकर पढ़कर लिखकर अभिव्यक्त करने की गतिविधियाँ हों।	मूल्य बोध मे स्तर मूल्य निर्माण की प्रक्रिया और मूल्य बोध को प्रभावित करने वाले तत्वों को समझकर शिक्षा के द्वारा मूल्य अर्जन की प्रक्रियाओं सहभागी हो सकेंगे।
7.	शिक्षा की पूरी प्रक्रिया के अंदर मूल्यों के एकीकरण के उदाहरण परिस्थितियाँ, अवसरों पर बारीकियों से अभिव्यक्ति हों।	संपूर्ण विद्यालयीन व्यवस्था एवं प्रक्रिया में मूल्य संवर्धन एवं अथिव्यक्ति के क्रियान्वयन में सक्षम हो सकेंगे।
8.	मूल्य द्वन्द्व के प्रकार कारण एवं समाधान पर चर्चा करते, राय लेने–देने प्रश्न करने की स्वतंत्रता हो।	मूल्य द्वन्द्व के प्रकार, कारण एवं शिक्षा के द्वारा मॅय द्वन्द्व के समाधान ढूढने में अपनी भूमिका समझने में सक्षम हो सकेंगे।
9.	मूल्यों का विकास व्यक्तिगत एवं जीवन पर्यत चलने वाली प्रक्रिया हेतु साहित्य, संस्कृति, मीडिया आदि के आधार पर अपने सकारात्मक योगदान एवं स्वयं के विकास हेतु मूल्यों की अभिव्यक्ति करने हेतु गतिविधियाँ हों	मूल्यों की प्राथमिकता तय करने अपने जीवन से सकारात्मक योगदान देने हेतु सक्षम हो सकेंगे।

Scanned with CamScanner

10.	मूल्य वातक के रूप में शिक्षकों/अन्य कर्मचारियों अभिभावकों एवं विद्यार्थियों की भूमिका एवं आकलन पर विचार–विमर्श हों।	मूल्य वाहक के रूप में शिक्षक, अभिभावक एवं विद्यार्थियों की भूमिका एवं आकलन से अवगत हो सकेंगे।
11.	पाठ्यचर्या, पाठ्यपुस्तकों विषय शिक्षण एवं संपूर्ण विद्यालयीन प्रक्रिया के द्वारा मूल्य शिक्षण को प्रभावी बनाने के उपयों पर राय लेने–देने बातचीत की आजादी हों।	पाठ्यचर्या, पाठ्यपुस्तकों विषय शिक्षण एवं संपूर्ण विद्यालयीन प्रक्रिया के द्वारा मूल्य शिक्षण के तरीकों एवं क्रियान्वयन में सक्षम हो सकेंगे।
12.	आत्म त्याग बनाम आत्म केन्द्रीयता, उत्कृष्ठता बनाम अंहकेन्द्रीयता कार्य बनाम स्वार्थ परकता पर शिक्षक की भूमिका पर विमर्श हों।	आत्म त्याग बनाम आत्म केन्द्रीय उत्कृष्ठता बनाम अंत के कार्य बनाम स्वार्थ का मूल्य तथा प्रत्येक शिक्षक की आवश्यकता एवं अनुशीलन के महत्व को समझ सकेंगे।

Scanned with CamScanner

B.Ed 4TH Sem. Inclusive Education

Unit –I

सीखने सिखाने की प्रस्तावित प्रकियायें	सीखने के प्रतिफल
1. विशिष्ठ शिक्षा समावेशी शिक्षा एवं एकीकृत शिक्षा में अंतर उदाहरण द्वारा बताया गया।	छात्राध्यापक विशिष्ट शिक्षा समावेशी शिक्षा एंव एकीकृत शिक्षा में अंतर समझ पायेंगे।
2.समावेशी शिक्षा के उद्देश्य, आवश्यकता एवं माडल के बारे में वस्तृत जानकारी प्रदान करना।	1. छात्राध्यापक समावेशी शिक्षा के उद्देश्य एवं आवश्यकता समझ पायेंगे। 2. विभिन्न प्रकार के मॉडल द्वारा निर्योग्य बालकों के आवश्यकताओं की पूर्ती किस प्रकार करना है समझ पायेंगे।

UNIT II

1.निःशक्त बालकों के पुनर्वास के संदर्भ में सरकारी नीतियों ,प्रावधानों एवं अधिनियमों पर विस्तार से चर्चा करना।	छात्राध्यापक निर्योग्य बालाकों को प्रदान की गई सरकारी नीतियों , प्रावधानों एवं अधिनियमों के बारे में जान पाएगें।
2. विभिन्न विकलांगताओं के लिये राष्ट्रीय संस्थानों की जानकारी प्रदान करना।	छात्राध्यापक विशिष्ट शिक्षार्स जुड़े शिक्षा संस्थानों एंव संघो के बारे में जान पाएगें।

UNIT III

1.विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों की अवधारणा, आवश्यकताऐं एवं प्रकार की जानकारी देना।	छात्राध्यापक विशिष्ट बालकों की पहचान कर सकेंगे उनकी समस्याऐं और समाधान के लिए शैक्षिक कम को समझ सकेंगे।
2.समावेशी शिक्षा संबंधी पाठ्यकम की चर्चा करना।	छात्राध्यापक विशिष्ट आवश्यकता वाले बालकों के लिए उपलब्ध पाठ्यकम जो इन बच्चों के स्तर को उंचा उठाने में उपयोगी हो एवं इनके विभिन्न कौशलों के विकास में सहयोगी हो के समझ सकेंगे।
3.समावेशी विद्यालय के लिए ढ़ांचागत सुविधाओं की जानकारी देना।	छात्राध्यापक समावेशी विद्यालय में बालकों (विशिष्ट) के अनुंरूप दी जाने वाली विशेष सुविधाओं से अवगत हो पाऐंगे।

Scanned with CamScanner

UNIT 4

1.समावेशी शिक्षा में सहयोगी अधिगम रणनितियां, समाजिक अधिगम दिव्यांग बालकों के लिए किस प्रकार का हो इस विषय में व्याख्यान देना।	छात्राध्यापक सहयोगी अधिगम की रणनीतियों एवं इनके सिद्धांतों एवं अधिगम की विभिन्न प्रकियों से परिचित हो सकेंगे।
2. कक्षा में विशेष अध्यापकों की भूमिका से अवगत कराना	छात्राध्यापक विशेष अध्यापकों की भूमिका से परिचित होकर सीखने की विभिन्न पद्दति से परिचित हो सकेंगे।

UNIT 5

1. समावेशी शिक्षा में समुदाय व परिवार के सहयोग की भूमिका की जानकारी देना	1. छात्राध्यापक दिव्यांग बालकों को समुदाय से जोड़कर किस प्रकार उच्चाआदर्श प्रस्तुत किया जाय जान पायेंगे। 2. छात्राध्यापक दिव्यांग बालकों के लिए किस प्रकार भावत्मक एवं सहानुभूति पूर्ण सहयोग परिवार द्वारा दिया जाना चाहिए समझ पायेंगे।

Scanned with CamScanner

बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर

अधिगम में आकलन

- ज्ञान रचनावाद को कक्षा कक्ष शिक्षण में प्रदर्शित करता है।
- कक्षा शिक्षण के दौरान अधिगम हेतु आकलन करते हैं।
- कक्षा कक्ष प्रक्रियाओं के दौरान संज्ञानात्मक, सामाजिक एवं भावात्मक पक्षों के विकास के प्रति सचेत रहते हैं।
- समस्या समाधान हेतु विशिष्ट कौशलों के विकास के प्रति ध्यान केन्द्रित करते हैं।
- अनुमान, व्याख्या, विश्लेषण, संबंधों की पहचान, अर्थापन की प्रक्रिया को समझाने के लिए सतर्क रहते हैं।
- मौलिकता, पहल, सहभागिता, सृजनात्मकता, लचीलेपन को कक्षा कक्ष में बढ़ावा देते हैं।
- विद्यार्थियों को स्व–अवलोकन एवं स्व–आकलन करने को प्रेरित करते हैं।
- विशिष्ट संदर्भ, विषयवस्तु एवं विद्यार्थी के परिप्रेक्ष्य में आकलन की विशिष्ट प्रविधियों को पहचानने में सक्षम होंगे।
- पोर्टफोलियों के आकलन हेतु रूब्रिक्स बनाने में समर्थ होते हैं।
- प्रतिपुष्टि की आवश्यकता को समझ कर उसके अनुरूप अपनी शिक्षण प्रक्रिया का नियोजन कर लेते हैं।

Scanned with CamScanner

B.ED 4th Sem
Learning Out comes
Gender, School and Society
(लिंग विद्यालय एवं समाज)
B.Ed. - IVth Sem

क्र.	विषय वाचक	प्रस्तावित प्रक्रिया	सीखने का प्रतिफल
1.	लड़का/लडकी के रूप में विकास क्रम का परीक्षण लिंग एवं जेंडर का अर्थ, अंतर, विशेषताएं पित्रसत्तात्मक परिवार पितृसत्ता का अर्थ, परिभाषा विशेषताएं, भौतिकता, नारीवाद का अर्थ।	व्याख्यान विधि एवं प्रश्नोत्तर विधि	छात्राध्यापकों को लिंग एवं जेंडर तथा पितृसत्ता एवं नारीवाद,भौतिकता के विषय में जानकारी प्राप्त होगी तथा इन्हें समझ पाएंगे।
2	लैंगिक पक्षपात, भूमिका रूढ़िवादिता के परिणाम जेंडर एवं अन्य असमानताएं महिला एवं शिशु लिंगानुपात।	प्रस्तुतीकरण के द्वारा समझाना	लैगिंग पक्षपात तथा रूढ़िवादिता एवं महिला व शिशु लिंगानुपात को समझ पाएंगे।
3	लड़कियों की शिक्षा, तथा लडकियां विद्यालय में क्यों असहज महसूस करती हैं, क्या विद्यालय विशिष्ट हो सकते हैं जिसमे अधिकाधिक लड़कियां शिक्षित हो सकें।	व्याख्यान विधि एवं प्रश्नोत्तर विधि द्वारा समझाना	लड़कियों की शिक्षा व्यवस्था एवं लड़कियों की शिक्षा के लिए विशिष्ट विद्यालय को जान पाएंगे तथा समझ हो पाएगी।
4	पाठ्य पुस्तक एवं पाठ्यक्रम लैंगिग पक्षपात, अदृश्य पाठ्यक्रय, जेंडर रूढ़िवादिता लैंगिकता के	व्याख्यान एवं प्रस्तुतीकरण के द्वारा समझाना	छात्राध्यापक पाठ्यक्रम, गुप्त पाठ्यक्रम, जेंडर रूढ़िवादिता विद्यालय के भीतर अंर्तसंबंध एवं

Scanned with CamScanner

	परिप्रेक्ष्य में विद्यालय के भीतर विद्यार्थी, शिक्षक विद्यार्थी, शिक्षक समूह के संबंधों की समझ एवं शिक्षण व्यवसाय का नारीकरण।		शिक्षण व्यवसाय में नारियों की भूमिका को समझ पाएंगे।
5	लैंगिकता एवं भौतिकता का अर्थ, भौतिक संबंध के प्रकार थर्ड जेंडर, महिलाओं के विरूध्द हिंसा के अनुकालिक उदाहरण तथा समस्या हेतु प्रयास एवं महिलाओं के वैधानिक अधिकार	व्याख्यान एवं प्रश्नोत्तर द्वारा समझाना	लैंगिकता, भौतिकता, थर्ड जेंडर, महिलाओं के विरूध्द हिंसा तथा महिलाओं के वैधानिक अविष्कारों को समझ पाएंगें।
6	नारीवाद, उग्रनारीवाद मनोवैश्लेषिक नारीवाद एवं महिलाओं से संबंधित हाल के मुद्दे।	व्याख्यान विधि द्वारा समझाना	विभिन्न प्रकार के नारीवाद एवं महिलाओं से संबंधित हाल के मुद्दे ।
7	परिवर्तन हेतु व्यूह रचनाएं, विद्यालय में नीति एवं प्रबंधन, महिला कार्य दल एवं महिलाएं तथा जन संचार माध्यम	व्याख्यान एवं प्रदर्शन विधि	विद्यालयों में लड़कियों की स्थिति में परिवर्तन की व्यूह रचनाएं, महिला कार्यदल तथा जन संचार माध्यमों को जान पाएंगे, समझ पाएंगे।

Bhawana Chauhan
Assistant Professor
C.T.E. Shankar Nagar,
Raipur C.G.

Scanned with CamScanner

B.Ed. 1st Semester

Pedagogy of Biological Science Paper III

Learning Outcomes

- They will be able to develop insight on the meaning and nature of biological science for determining aims and strategies of teaching learning.
- They will be able to develop identity and relate everyday experiences with learning biological science.
- They will be able to develop appreciate various approaches of learning teaching of biological science.
- They will be able to develop explore the process skill in science and role of laboratory in teaching learning.
- They will be able to develop process oriented objectives based on the content themes units .
- They will be able to develop use effectively different activities experiments demonstration laboratory experiences for teaching learning of ideological science.
- They will be able to develop ability to use biological science concepts for life skills.
- They will be able to develop competencies for teaching learning of biological science through different measures.

Scanned with CamScanner

B.ED 3rd Sem
Pedagogy of Biological Science

सीखने सीखाने की प्रस्तावित क्रियाएँ Pedogogical Process		सीखने के प्रतिफल Learning Outcomes	
Unit I			
1	जीव विज्ञान शिक्षण की अवधारणा, पहचान और संगठन पर व्याख्यान प्रदान करना।	1	छात्राध्यापक जीवविज्ञान शिक्षण की अवधारणा समझ सकेंगे।
2	क्षेत्रीय भ्रमण नियोजक की जानकारी पर चर्चा करना।	2	क्षेत्रीय भ्रमण का महत्व जान सकेंगे।
3	जीव विज्ञान अधिगम में ICT के अनुप्रयोग का नियोजन, इस पर विस्तार से चर्चा करना।	3	ICT का प्रयोग समझ कर उसका अनुप्रयोग शिक्षण में करने में सक्षम हो पायेंगें।
Unit 2			
1	पर्यावरणीय समीपता एवं शिक्षण सहायक सामग्री के बारे में विस्तृत जानकारी देना।	1	छात्राध्यापक प्राकृतिक संसाधनो के संरक्षण के बारे में जान सकेंगे।
2	जीव विज्ञान प्रयोगशाला की संरचना एवं प्रयोगात्मक कार्य को प्रदर्शन विधि द्वारा समझाना।	2	छात्राध्यापक विभिन्न प्रकार की सहायक सामग्री का उपयोग करना सीख सकेंगे। छात्राध्यापक प्रयोगशाला की उपयोगिता एवं प्रायोगिक कार्य करने में सक्षम हो पाएगें।
Unit 3			
1	मूल्यांकन की अवधारणा, आवश्यकता एवं उपयोगिता की जानकारी व्याख्यान एवं प्रश्नोत्तर विधि द्वारा करना।	1	छात्राध्यापको व्यक्तिगत कमजोरी का पता लगाने में सक्षम होगे एवं सीखने की प्रक्रिया को उत्प्रेरित कर सकेंगे।
2	जीव विज्ञान अधिगम के लिये आकलन के उपकरण एवं प्रविधियों पर चर्चा करना।	2	छात्राध्यापक शैक्षिक एवं अशैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति आकलन की नीतियों एवं सिध्दांतों और विधियों की सहायता से दूर करने की कोशिश करना सीखगें।

Scanned with CamScanner

Unit 4			
1	जीव विज्ञान में विभिन्न आवश्यकता वाले अधिगमकर्ताओं की सुविधागमन अधिगम प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान करना।	1	छात्राध्यापको की शैक्षिक कठिनाइयों का समाधान समझ पाएगें।
2	जीव विज्ञान में अनुरूपित सृजनात्मक और अविष्कारिता विकसित करने के उपायो की जानकारी देना।	2	छात्राध्यापक वैज्ञानिक दृष्टिकोण की भावना को विकसित करने में सक्षम होंगे।
Unit 5			
1	जीव विज्ञान शिक्षक के व्यवसायिक विकास कार्यक्रमों पर चर्चा द्वारा उदाहरण प्रस्तुत करना।	1	छात्राध्यापक विभिन्न व्यवसायिक विकास कार्यक्रमों को जान सकेगे जिससे शिक्षण कार्य प्रभावी बन सकेगा।
2	विद्यालय के संचालन में सहयोगी संस्थाओं की जानकारी व्याख्यान विधि से प्रदान करना।	2	छात्राध्यापक को सहयोगी संस्थाओं के द्वारा सर्वांगीण विकास होगा।

Smt. Shantwana Shukla
Lecturer
C.T.E. Shankar Nagar,
Raipur C.G.

Scanned with CamScanner

B.Ed - 3rd Sem

PEDAGOGY OF MATHEMATICS

Aims of the course

To enable the student teacher to understand

- first develop insight into the meaning nature scope and objective of mathematics education
- Appreciate mathematics as a tool to engage the mind of every student
- Appreciate the role of mathematics in day to day life
- Learn important mathematics is more than formula and mechanical procedures;
- See mathematics as something to talk about to communicate through to discuss among themselves to work together on;
- Pose and solve meaningful problems
- Appreciate the importance of mathematics laboratory in learning mathematics;
- Construct appropriate assessment tools for evaluating mathematics learning;
- Develop ability to use the concept of life skills;
- Stimulate curiosity creativity and inventiveness in mathematics;
- Develop competencies for teaching learning mathematics through various measures
- Focus on understanding the nature of children mathematical thinking through direct observations of children thinking of learning processes;
- Examine the language of mathematics engaging with research on children's learning to specific areas.

Scanned with CamScanner

Sem II

सामाजिक विज्ञान का शिक्षण शास्त्र
भाग – 2

क्र.	विषय–वस्तु	सीखने–सिखाने की प्रस्तावित प्रक्रियाएं	सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)
1.	इतिहास विषय की सामान्य समझ	व्याख्यान विधि द्वारा	ऐतिहासिक विधियों का ज्ञान होना, इतिहास का प्रारंभिक स्त्रोत की जानकारी प्राप्त होगी, भारतीय इतिहास का सामाजिक स्तरीकरण को समझेंगे।
2.	इतिहास शिक्षण की शिक्षण विधियां	Presentation विधि द्वारा	शिक्षण विधि की विशेषतायें महत्व व उपयोगिता आदि की जानकारी प्राप्त होगी, कहानी कथन को किस प्रकार प्रभावी बनाना हो सकती हो इसकी समझ बनेगी।
3.	इतिहास शिक्षण में शिक्षण सहायक सामाग्री	प्रदर्शन विधि द्वारा	इतिहास की शिक्षण सामाग्री की पहचान होगी शिक्षण सामाग्री की विशेषता, उद्देश्य, महत्व, उपयोग व सिद्धांतो के बारे में जानकारी मिलेगी।
4.	राजनीति विज्ञान विषय की सामान्य समझ	व्याख्यान विधि द्वारा	राजनीति विज्ञान से संबंधित जानकारियां प्राप्त होगी। राजनीति विज्ञान के अन्तर्गत आले वाले सारे नीति निदेशक तत्व की जानकारी होगी।
5.	राजनीति विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य शिक्षण अधिगम विधियां	Presentation द्वारा	राजनीति विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य महत्व आदि की जानकारी प्राप्त होगी, राजनीति विज्ञान की शिक्षण अधिगम विधियों की जानकारी प्राप्त होगी।
6.	राजनीति विज्ञान की शिक्षण अधिगम सामाग्री	प्रदर्शन विधि व्याख्यान विधि	राजनीति विज्ञान में प्रयुक्त आने वाली सारे शिक्षण अधिगम सामाग्रियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी।
7.	सामाजिक विज्ञान में अधिगम के लिये आकलन	प्रोजेक्टर द्वारा प्रदर्शन	सामाजिक विज्ञान में अधिगम का आकलन करना सीखेंगे तथा इसका महत्व क्यो आवश्यक है आदि की जानकारी प्राप्त होगी।
8.	मूल्यांकन	व्याख्यान विधि/प्रदर्शन विधि	मूल्यांकन का व्यापक अर्थ तथा किस प्रकार मूल्यांकन किया जायेगा इनकी जानकारी प्राप्त होगी।
9.	सामाजिक विज्ञान पाठ्य पुस्तक का विश्लेषण	Presentation व्याख्यान विधि प्रदर्शन विधि द्वारा	सामाजिक विज्ञान के संदर्भ में पाठ्यपुस्तक का विश्लेषण करना सीखेंगे। छत्तीसगढ़ मा. शि.

Scanned with CamScanner

			मण्डल व केन्द्रीय मा.शि.मण्डल के सामाजिक विज्ञान के पाठ्यपुस्तक का नियोजन करना सीखेंगे।
10.	राज्य तथा केन्द्रीय बोर्ड की पाठ्यपुस्तक के आधार पर प्रश्न पत्र का विश्लेषण	प्रायोगिक कार्य	प्रश्न पत्रों का विश्लेषण सीखेंगे व प्रश्न पत्र किस प्रकार संयोजित करते है जानकारी मिलेगी
11.	परियोजना क्षेत्र भ्रमण	भ्रमण द्वारा	परियोजनओं की जानकारी प्राप्त करेंगे शैक्षिक भ्रमण करेंगे।

Scanned with CamScanner

Sem I

सामाजिक विज्ञान का शिक्षण शास्त्र
भाग – 1

क्र.	विषय–वस्तु	सीखने–सिखाने की प्रस्तावित प्रक्रियाएं	सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)
1.	सामाजिक विज्ञान का क्षेत्र	व्याख्यान विधि का प्रयोग कर	सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र कौन–कौन से है, सामाजिक व प्राकृतिक विज्ञान में अंतर करना तथा सामाजिक विज्ञान की शाखाएं क्या है इसकी जानकारी प्राप्त होगी।
2.	सामाजिक विज्ञान एक शास्त्र के रूप में	Presentaion Method के द्वारा समझाना	सामाजिक विज्ञान के अर्थ विशेषता, महत्व, समाज के संदर्भ में क्या आवश्यकता है इसकी समझ हो पायेगी।
3.	प्रमुख सामाजिक आर्थिक मुद्दे एवं सरोकर	प्रयोगात्मक विधि अपनाकर	छात्रों की जिज्ञासा शान्त होगी तथा सामाजिक आर्थिक मुद्दे क्या होते है उनकी समझ बन पायेगी।
4.	शिक्षक सहायक सामाग्री	व्याख्यान विधि तथा प्रदर्शन विधि द्वारा समझाना	शिक्षक सहायक सामग्री की पूर्ण जानकारी मिलेगी, इनका क्या उद्देश्य होता है, इनका क्या उपयोग है, क्या महत्व है इन सबके बारे में जान पायेंगे तथा समझ सकेंगे।
5.	सामाजिक विज्ञान पाठ्यचर्या	Presentaion द्वारा बताया जाना	पाठ्यचर्या क्या होती है, उसकी विशेषता, आधार अर्थात पाठय चर्या को पूरी डिटेल से समझ सकेंगे तथा किस प्रकार उपयोगी होती है यह जान पायेंगे।
6.	पाठ्यचर्या विकास प्रक्रिया, राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर	सेमीनार/वेबीनार द्वारा समुह चर्चा द्वारा	पाठ्यचर्या के सिद्धांतो को समझना, उसको कैसे लागू करना है। राष्ट्रीय स्तर पर किस प्रकार की पाठ्यचर्या होना चाहिए तथा राज्य स्तरीय पाठ्यचर्या कैसी होनी चाहिए इसकी समझ बनेगी।
7.	विषयवस्तु का प्रस्तुतीकरण	Presentation द्वारा	विभिन्न प्रकार के सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम का नियोजन व प्रस्तुतीकरण करना सीखेंगे विभिन्न स्तर पर प्रस्तुत कैसे करेंगे इसकी समझ बनेगी।
8.	भूगोल शिक्षण अधिगम	व्याख्यान विधि द्वारा	भूगोल के विकासात्मक कौशल की जानकारी भौतिक लक्षणों व घटनाओं की पहचान, भौगोलिक सूचना क्या है तथा उनकी पहचान हो पायेगी।

Scanned with CamScanner

9.	शिक्षण आव्यूह	व्याख्यान विधि द्वारा प्रस्तुत करेंगे	शिक्षण व्यूह रचना का अर्थ, परिभाषा आदि की जानकारी मिलेगी।
10.	भूगोल शिक्षण की प्रविधियां	Presentaion द्वारा, Projector द्वारा	भूगोल शिक्षण में प्रयुक्त प्रविधियों का ज्ञान हो पायेगा, मानचित्र का उपयोग महत्व, आवश्यकता को समझेंगे। चित्रों का प्रयोग समझेंगे। बडे पैमाने पर मानचित्र का प्रयोग कैसे किया जायेगा। इसकी रामझ बनेगी।
11.	अर्थशास्त्र की सामान्य समझ	व्याख्यान विधि	अर्थशास्त्र का अर्थ क्षेत्र, बाजार की संरचना आदि की जानकारी, उत्पादन प्रक्रिया का वर्गीकरण का महत्व समझेंगे।
12.	अर्थशास्त्र की शिक्षण अधिगम विधियां	व्याख्यान विधि तथा Presentation विधि अपनाया जाना है।	अर्थशास्त्र की विधि का महत्व, सा. अ. शिक्षण की विधियों का वर्णन समझेंगे व्याख्यान विधि का महत्व समझेंगे।
13.	योजना विधि आँकडों की व्याख्या तथा विश्लेषण	Practical Method अपनाकर	योजना विधि के बारे जानकारी प्राप्त करेंगे संर्वेक्षण विधि को जानेंगे दस्तावेजों को कैसे तैयार किया जाता है, समझ बनेगी।
14.	योजना एवं क्रियाकलापों कार्यस्थल का निरीक्षण	Practical Work शैक्षिक भ्रमण करना	योजनाओं का निरीक्षण करन सीखेंगे, शैक्षिक भ्रमण का महत्व तथा आवश्यकता जानेंगे।

Scanned with CamScanner

III Sem

Course Learning Outcome

English Pedagogy [B.Ed.]

The student teachers will be able to:

1. Understand the nature, role and structure of language.

2. Explore the process of language acquisition and learning.

3. Develop understanding of different language skills [LSRW] and development of the same.

4. Generate sensitivity and competency towards catering to a multilingual audience in schools.

5. Understand the relation between literature and language.

6. Appreciate different registers of language.

7. Familiarize with the psycholinguistics and sociolinguistics aspect of language.

8. Use technology to enrich language teaching.

9. Reflect on the current practices in English language teaching.

10. Draw insights from contemporary perspectives on language and language learning for designing pedagogical and classroom process.

11. Develop a conceptual knowledge and effective application of various theories and procedures of assessment in classrooms.

12. Understand the use of language in context such as grammar and vocabulary.

13. Identify methods, approaches and techniques for teaching English at various levels.

Scanned with CamScanner

14. Develop creative activities and tasks for learners.

15. Understand the linguistic principles.

16. Conduct pedagogical analysis and develop teaching skills.

17. Understand different methods and theories to language learning and teaching.

18. Develop and use teaching aids in the classroom both print and audio-visual material and ICT.

19. Understand about the teaching of prose, poetry, Drama, compositions and grammar.

20. Understand the role and importance of translation.

21. Understand need and functions of Language Laboratory.

22. Use different Tools and techniques of evaluation.

23. Understand the aims, objectives and principles of teaching English at junior and secondary stages.

24. Identify the organs of speech and recognize the vowel sounds in English.

25. Understand the importance of home language and school language and the role of mother tongue in education.

26. Develop an insight into the symbiotic relationship between curriculum, syllabus and text books.

27. Develop skills of making teaching learning process experiential and joyful.

Scanned with CamScanner

III Sem

भाषयी–प्रवीणता/भाषा–प्रावीण्यता (हिन्दी)

(C.L.U)

1. भाषा विज्ञान के अर्थ,क्षेत्र का जान सकने में सक्षम होगें।

2. अलंकार तथा रस की अवधारणा को समझ भाषायी –सृजनाात्मकता के विषय में इनका उपयोग कर सकनें में सक्षम होगें।

3. लेखन – कौशल और इसके विविध आयामों का लेखन,चित्र,यात्रा,त्यौहार,आत्मकथा आदि का लेखन और वर्णन कर सकने में सक्षम हो सकेगें। लेखन दक्षता का विकास होगा। अभिव्यक्ति की दक्षताओं का विकास होगा।

4. शब्द और इसके विविध स्वरूपों को समझ सकने में सक्षम होगें।

5. शब्द भंडार में वृद्धि कर सकेंगे। स्वंय के शब्दकोष का निर्माण कर सकेंगे।

6. कक्षा शिक्षण में बच्चों को इसके लिए विभिन्न अवसर उपलब्ध कराने में सक्षम हो सकेंगे।

7. भाषा के अर्थ निर्माण और सौंदर्य निर्माण प्रकिया में विज्ञान चिन्हों के महत्व को समझ सकने में सक्षम हो सकेंगे तथा इनका सही उपयोग करेंगे तथा अपने विज्ञार्थियों को प्रोतसाहित करने में सक्षम होंगे।

8. भाषा की किया रूपों की समझ विकसित होगी।

9. भाषा के व्यवहारिक स्वरूप की जानकारी होगी।

10. शब्द की तरह ही वाक्य भेत और इसके विभिन्न नियमों की समझ बन सकेगी। अपने बात–चीत में इसका उपयोग कर सकने में सक्षम होंगे।

11. अपनी बात–चीत अथवा लेखन को प्रभावशाली और उपयोगी बना सकने में सक्षम हो सकेंगे।

12. बहुभाषिक कक्षा की समझ विकसित होगी। अपनी बात–चीत में विभिन्न भाषाओं के मुहावरे/लोकोक्तियों का समावेश कर प्रभावशाली बनाने में सक्षम हो सकेंगे। बच्चों को प्रेरित करने में सक्षम होंगे।

13. ध्वनि विज्ञान की अवधारणाओं से परिचित होंगे तथा इसके विभिन्न नियमों को जानकर अपनी तथा अपने विद्यार्थियों की भाषा को परिष्कृत करने में सक्षम हो सकेंगे।

14. भाषा सीखने –सीखाने के नए नए अवसरों को पहचान करने में सक्षम हो सकेंगें। भाषी संवेदनशीलता एवं दक्षताओं का विकास होगा।

Scanned with CamScanner

बी.एड. (हिन्दी भाषा शिक्षण)
प्रथम / तृतीय-सेमेस्टर,
Sem – I – Pepar – III

- भाषा की अलग अलग भूमिकाओं को जानेंगे तथा इसकी समझ विकसित होगी।
- भाषायी बारीकियों के प्रति संवेदनशीलता विकसित होगी।
- भाषा और साहित्य के सम्बन्धों को जानेंगे।
- भाषा के विभिन्न स्वरूप और व्यवस्था की समझ विकसित होगी।
- भाषा सीखने–सीखाने के तरीकों और प्रक्रिया को जानेंगे व इनकी समझ विकसित होगी। नए अवसरों की पहचान सम्बन्ध को जानेंगे।
- पाठ्यचर्या, पाठ्सक्रम और पाठ्यपुस्तक का विश्लेषण कर कक्षा विशेष और बच्चों की समझ के अनुरूप उसे ढाल सकेंगे।
- हिन्दी भाषा के विविध रूपों की समझ बनेगी। अभिव्यक्ति की दक्षताओं का विकास होगा।
- अनुवाद और भाषायी सृजनात्मकता का सम्बन्ध जानेंगे तथा इनकी समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थियों /बच्चों की भाषा के प्रति समझ बनेगी। उन्हें विकसित और परिष्कृत करने के नए–नए अवसरों की पहचान कर सकेंगे।
- भाषा के मूल्यांकन की प्रक्रिया को जानेंगे।
- साहित्यिक और गैर साहित्यिक मौलिक रचनाओं की पहचान कर सकेंगे।
- रचनाओं की सराहना करने में सक्षम हो सकेंगे।
- मौलिक रचना करने में सक्षम हो सकेंगे।
- भाषा सीखने–सीखाने के नए सृजनात्मक दृष्टिकोण की समझ बनेगी।
- भाषायी समझ और उपयोग के प्रति संवेदनशीलता का विकास हो सकेगा।

Dr. Seema Agrawal
C.T.E. Shankar Nagar,
Raipur C.G.

Scanned with CamScanner

Mrs.A.Ambast

B.Ed 2nd Sem. Curriculum & Knowledge

Unit -I

सीखने सिखाने की प्रस्तावित प्रकियायें	सीखने के प्रतिफल
1. पाठ्यचर्या एवं पाठ्यकम में अंतर, पाठ्यचर्या , पाठ्यकम और पाठ्यपुस्तकों में संबंध पर चर्चा करना। पाठ्यचर्या के क्षेत्र और प्रकार बताना। पाठ्यचर्या के संदर्भ तथा सांस्कृतिक संलग्नता पर समूहचर्चा ।	1.पाठ्यचर्या एवं पाठ्यकम में अंतर समंझते हुए इनके साथ पाठ्यपुस्तक के संबंध को ही जान पाऐंगे 2.संसाकृति और पाठ्यचर्या के आपसी प्रभाव को जान पाएंगे।

Unit -II

सीखने सिखाने की प्रस्तावित प्रकियायें	सीखने के प्रतिफल
1. ज्ञान, ज्ञान के प्रकार और ज्ञान के समाज शासत्र पर कक्षा में चर्चा	ज्ञान क्या है यह समझ पाऐंगे। और समाज के साथ उसके संबंध को जान पाऐंगे।
2. मूल्य और नैतिकता पर कक्षा में वाद–विवाद कराया जाना	मूल्य और नैतिकता को समझ पाऐंगे ।

Unit -IV

सीखने सिखाने की प्रस्तावित प्रकियायें	सीखने के प्रतिफल
1.उत्पादक कार्य की अवधारणा को समझाना तथा व्यवसायिक शिक्षा के रूप में उत्पादक कार्य को पाठ्यकम में स्थान देने चर्चा करना	उत्पादक कार्य और व्यवसायिक शिक्षा तथा गांधी जी की नई तालिम को समझ पाएंगे।

Unit -V

सीखने सिखाने की प्रस्तावित प्रकियायें	सीखने के प्रतिफल
1. शिक्षा में सीखने के उदेश्य और आंकलन तथा मूल्यांकन की भूमिका के प्रति दृश्टीकोण को विकसित करने हेतु चर्चा।	आंकलन और मूल्यांकन को समझ पाऐंगे।

Scanned with CamScanner

Class- B. Ed. (2nd Semester)
Subject- Educational Technology and Managment

क्र	प्रस्तावित अध्यापन प्रक्रिया	क्र	अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)
1	विद्यार्थी शैक्षिक तकनीकी का अर्थ , प्रकृति, क्षेत्र, कार्य और छत्तीसगढ के विद्यालयों में इसकी आवश्यकता के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे। (व्याख्यान, समूह चर्चा द्वारा)	1	विद्यार्थी शैक्षिक तकनीकी के सम्पूर्ण सम्प्रत्यय की समझ रखते है, एवं छ.ग. के विभिन्न विद्यालयों में इसकी आवश्यकता क्या है, कि जानकरी ले सकते है।
2	संप्रेषण तकनीकी का सम्प्रत्यय, प्रकृति, सिद्धात, घटक प्रकार एवं इसमें आनी वाली बाधाओ के बारे में अध्ययन करना एवं सूक्ष्म शिक्षण और अन्य कौशल की जानकारी प्राप्त करेंगे। (सम्प्रेषण प्रक्रिया एवं सूक्ष्म शिक्षण प्रक्रिया)	2	छात्र संप्रेषण की अवधारणा व प्रक्रिया की समझ रखते हुए, सम्प्रेषण के द्वारा शिक्षण अधिगम को अनेक प्रकार के कौशलो का प्रयोग करते हुए कैसे प्रभावशाली बनाना है कि जानकारी रखते है।
3	(i) प्रणाली उपागम की अवधारणा एव इसके महत्व का अध्ययन करना। (व्याख्यान, समूह चर्चा एवं उदाहरण) (ii) प्रणाली विश्लेषण एवं प्रणाली प्रारूप की सम्पूर्ण अवधारणा की जानकारी एवं शैक्षिक व्यवस्था में इसका उपयोग किस प्रकार होगा, का अध्ययन करना। (व्याख्यान, समूह उदाहरण द्वारा) (iii) अनुदेशन प्रणाली की अवधारणा एवं इसके वर्गीकरण का अध्ययन करना। (व्याख्यान, समूह पावर पाइंट प्रेजेन्टेशन द्वारा)	3	(i) प्रणाली उपागम द्वारा शैक्षिक प्रणाली में सुधार एवं आवश्यक परिवर्तन करने में समर्थ होगें। (ii) प्रणाली विश्लेषण के द्वारा पाठ्यक्रम का निर्माण, परीक्षा –प्रणाणी में सुधार एवं छात्रो के गुणों का विश्लेषण कर सकेंगें। प्रणाली प्रारूप के द्वारा शिक्षा प्रणाली की अनेक समस्याओं का समाधान कर सकेंगें। (iii) प्रक्षेपी, नॉन,–प्रक्षेपी, हार्डवेयर सॉफटवेयर की सम्पूर्ण जानकारी एवं इसके वर्गीकरण करने में सक्षम है।
4	शैक्षिक तकनीकी में होने वाले नवाचार का अध्ययन करना। (व्याख्यान, समूह चर्चा एवं शिक्षण सहायक सामग्री द्वारा)	4	वीडियो–पाठ, पृष्ठवार्ता, भाषा प्रयोगशाला, टेली–क्रान्फ्रेंसिंग टेली–टेक्ट, वीडियो टेक्ट टेलीफोन क्रान्फ्रेंसिंग का उपयोग करने हुए शिक्षण एवं पाठ्यवस्तु को रूचिकर एव प्रभावशाली बनाने में समर्थ होंगें।
5	(i) विद्यालय के भीतर एवं बाहर शैक्षिक उददेश्यों को प्राप्त करने एवं शिक्षा प्रणाली को सुचारू रूप से संचालित करने में मानवीय संसाधन के महत्व एवं प्रकार का अध्ययन करना। (ii) शिक्षा में प्रबंधन का अर्थ की अवधारणा का अध्ययन करना, विद्यालय में पाठ्यसहगामी एवं अनुशासन का प्रबन्धन का अध्ययन करना। (व्याख्यान, समूह चर्चा एवं प्रयोग द्वारा)	5	(i) विद्यालय के भीतर एव बाहर भौतिक संसाधन एवं मानवीय संसाधनों का शिक्षा में उद्देश्य, महत्व दायित्व एवं भूमिका की जानकारी रखते है। (ii) शिक्षा में प्रबंधन का उद्भव अर्थ, विशेषताएं, उददेश्य एवं आवश्यकता की जानकारी रखते है, विद्यालय में पाठ्यसहगामी क्रियाओं के उद्देश्य, लाभ एवं महत्व एवं इसके प्रबन्धन करने में सक्षम है।

श्रीमती धारा सेन
व्या. (CTE)

Scanned with CamScanner

CLASS - B.Ed. (Second Semester)
Subject - Elective [Education Technology and Management]
Curriculas, Expectations :-

- The students will be able to Identify describe and apply emerging technologies in Teaching and learning environments.
- Student will Demonstrate Knowledge , attitude , and Skills of digital age work and learning.
- The student will be able to Plan, design and assess effective learning environments and experiences
- Student will Implement Curriculum methods and strategjes that use Technology to maximize student learning.
- Develop technology – enabled assessment and evaluation strategies.
- Student will compare and contract social, ethical and legal issues surrounding Technology.
- The student will be able to facilitate instruction in the new literacies that emerge within digital / interactive learning environment.
- Student will maintain and manage a Variety of digital tools and Resources for use in Technology.
- Student will demonstrate field experience in a Working environment when educational technology services and program are used or developed.

Scanned with CamScanner

कला शिक्षण

ART EDUCATION

B.Ed. IInd Sem.

क्र.	विषय वस्तु	सीखने की प्रस्तावित प्रकिया	सीखने का प्रतिफल
01	भारतीय कला का संक्षिप्त इतिहास Art appreciation/brief history of Indian art.	व्याख्यान, प्रदर्शन संगोष्ठियां एवं समूह चर्चा	1. भारतीय कला के इतिहास से परिचित होंगे। 2. विभिन्न कालों में प्रचलित कलाओं के विकास की जानकारी प्राप्त होगी। 3. भारतीय कला के विविध पक्षों से परिचित होंगे। 4. लोक कला, मूर्तिकला, शिल्प कला दृश्य कला, तथा समकालीन अन्य कलाओं की जानकारी (इतिहास, अवधारणा, अर्थ) होगी। 5. अपने आस.पास प्रचलित लोक कलाओं को समझ सकेंगे।
02	दृश्य कला Visual Art	Workshop प्रदर्शन, संगोष्ठी	1. दृश्य कला के इतिहास की जानकारी प्राप्त करेंगे। 2. दृश्य कला की अवधारणा एवं अर्थ को समझ सकेंगे। 3. त्रिआयामी कला एवं तकनीकों की जानकारी प्राप्त कर पाएंगे। 4. चित्रकला, कोलाज, वॉल पेंटिंग, वोच्र अल्पना, रंगोली मिट्टी के मॉडल, मुखौटे कठपुतली इत्यादि की जानकारी प्राप्त करेंगे। 5. कला के माध्यम से स्वप्रकाशन एवं सौन्दर्यानुभूति जैसे गुणो का विकास होगा।

Scanned with CamScanner

03	रंगमंच (Theatre)	व्याख्यान प्रदर्शन एवं समूहचर्चा	1. नायक के माध्यम से आत्म प्रकाशन कर सकेंगे। 2. नाटक के कारक–कथानक, संवाद पात्रमंचन आदि को समझ सकेंगे। 3. नाटक की उत्पती एवं भेद प्रस्तुत की जानकारी प्राप्त कर पाऐंगे। 4. अभिनय, नुक्कड़ नाटक, पटकछा लेखन, गीत लेखन इत्यादि को ग्रहनता से समझ पाएंगे। 5. रंगमंच के इतिहास के परिचित होंगे। 6.रंगमंच के आधार/स्वरूप को समझेंगे। 7. आधुनिक भारतीय नाटकों के विषय में जानेंगे। 8. हाव भाव, मुद्राओं चरित्रों (पात्रों) की विशेषता एवं उपयोगिता को जान पाऐंगे।
04	संगीत और नृत्य		1. लय और स्वर की बुनियादी अवधारणा को समझेंगे। 2. स्थानीय प्रचलित गीत (लोक गीत) के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे। 3. वाद्ययंत्रो की जानकारी प्राप्त करेंगे। 4. नृत्य के प्रकारों, विभिन्न मुद्राओं, वेश–भूषा आदि के विषय में जानेंगे। 5. भौगोलिक क्षेत्रों (जैसे–रेगिस्तान, पहाड़, जंगल, नदी तटों) के संगीत नृत्य से परिचित होंगे। 6. लय और ताल की बुनियादी समझ विकसित होगी। लोक संस्कृति को समझ सकेंगे। 7. समूह नृत्य एवं समूह गायन की बारीकियों को जानेंगे।

Scanned with CamScanner

B.Ed. 2nd Semester

Learner and Learning Process Paper V

Learning Outcomes

- They will be able to develop quire knowledge and understanding of stages of human development and developmental tasks with special refeunce to adolescents learness.
- They will be able to develop understanding of process of children learning in the context of various theories of learning.
- They will be able to develop understand intelligence, motivation and various types of exceptional children.
- They will be able to develop scill for effective teaching learning process and use of psychometric assessment.

Scanned with CamScanner

Mrs. A.S. Deshpande
Mrs.A.Ambast

B.Ed 1st Sem. नई तालिम कौशल आधारित अधिगम

Part I

Unit -I

सीखने सिखाने की प्रस्तावित प्रकियायें	सीखने के प्रतिफल
1. नई तालिम विषय से परिचय इसकी विशेषताओं इतिहास व महत्व को बताने के लिए परिचर्चा का आयोजन किया गया।	नई तालिम विषय को परिभाषित कर पायेंगे।
2. पाठ्यचर्या क्या है इसके किन महत्वपूर्ण बिंदुओं को ध्यान में रखकर निर्माण करना चाहिए तथा वह किस प्रकार विद्यालयीन व्यवस्था हेतु उपयोगी है इसका वर्णन किया गया।	पाठ्यचर्या के बारे में अपनी समझ बना पायेंगे तथा इसके महत्वपूर्ण बिंदुओं की व्याख्या कर पायेंगे।
3. नई तालिम व बुनियादि शिक्ष हेतु विभिन्न प्रकार की शिक्षण विधियों व शिक्षक कि भूमिका पर चर्चा का आयोजन किया गया।	विभिन्न प्रकार की शिक्षण विधियों से परिचित हो पायेंगे।
4. विभिन्न राष्ट्रीय पाठ्यचर्या व शिक्षा नीतियों में नई तालिम के उद्देदश्यों के बारे में चर्चा व समूह चर्चा कराया गया।	शिक्षक की भूमिका को निकटता तथा गंभीरता से सोच पायेंगे।
5. शिक्षा का अधिकार 2009 का परिचय अधिनियम के उद्देश्यों व प्रवधानों तथा नई तालिम से संवंध को विस्तार से बताया गया। इसके लिए पूर्व शिक्षा नीति 2005 का अध्ययन कराया गयां।	विभिन्न पाठ्यचर्या व शिक्षा नितियों को जान पायेंगे।
	6. शिक्षा का अधिकार 2009 अधिनियम की बातों व संदर्भों के बारे में जानकारी प्राप्त हो पायेगी।

Scanned with CamScanner

Unit -II

सीखने सिखाने की प्रस्तावित प्रकियायें	सीखने के प्रतिफल
1. गांधी जी के जीवन वृत्त को नाटक के द्वारा दर्शाया गया तथा उनकी विचारधारा व शिक्षा दर्शन के बारे में बताया गया तथा उपयुक्तता का मूल्यांकन करने हेतु चर्चा का आयोजन किया गया।	1.महात्मा गांधी के शिक्षा–दर्शन को समझ पायेंगे।
2. नई तालिम के विभिन्न मॉडलों के बारे में उदाहरण–गुरू रविन्द्रनाथ टैगोर के जीवन के बारे में भूमिका रोल प्ले किया गया।	2.नई तालिम को निकटता से समझ पायेंगे। रविन्द्रनाथ टैगोर के जीवन व उनकी शिक्षा में योगदान को जान पायेंगे।
3.जॉन ड्यूवी के जीवन व उनकी शैक्षिक चिंतन का मूल्यांकन किया गया	3.जॉन ड्यूवी के शिक्षा–दर्शन व उसकी उपयोगिता को समझ पायेंगे तथा व्याख्या कर पायेंगे।
4.निमार्णवाद क्या है इसके अर्थ, प्रकृति, विशेषताओं को वर्णित किया गया। तथा पाउलो –फेरो के शिक्षक दर्शन , शोध विधि आदि के बारे में विसतृत चर्चा व मॉडलों का आयोजन किया गया।	4.निमार्णवाद को परिभाषित कर पायेंगे। पाउलो फेरो को चार्ट व मॉडल के आधार पर शैक्षिक बिंदुओं को समझ पायेंगे।
5.प्राथमिक , माध्यमिक, उच्च माध्यमिक व उच्चतर माध्यमिक स्तर पर पाठ्यक्रम की रूप रेखा पर विस्तृत चर्चा की गई।	5. विभिन्न स्तरों पर पाठ्यक्रम निमार्ण के आधार को समझ पायेंगे तथा वर्णन कर पायेंगे।

Scanned with CamScanner

Unit -III

सीखने सिखाने की प्रस्तावित प्रकियायें	सीखने के प्रतिफल
1.सामुदायिक भागीदारी का अर्थ व आवश्यकताओं को समझाने हेतु क्षेत्रीय भ्रमण का आयोजन कराया गया। जिसके अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में समुदायिक के साथ मिलकर रचनात्मक कार्य, स्वछता, जागरूकता जैसे भी कार्यों का आयोजन किया गया।	1.समाज के प्रति उत्तरदायिकों को गंभीरता से समझ सकेंगे। 2.विभिन्न सामाज उपयोगी कार्यों के प्रति रूचि जागरित हो पायेगी।
2.शिल्प कला को समझाने हेतु प्रर्दशनी का आयोजन किय गया जिसमें मिट्टी तथा हाथ से बनी हुई कला कृतियों को छात्रों द्वारा बनाया गया।	3.विभिन्न कलाओं तथा कला कृतियों से परिचित हो पायेंगे।
3.नई तालिम को नैतिक शिक्षा से संबंधित करने के लिए विभिन्न पाठ्य सहगामि कियाओं का आयोजन किया गया। खेल–कूद आयोजन लोक गीत प्रार्थना सभा समूह गान आदि का आयोजन किया गया।	4. पाठ्यसहगामि कियाओं के द्वारा आत्मविश्ववास तथा समूह भावना का विकास हो पायेगा तथा उनके व्यक्तित्व में निखार आ सकने हेतु प्रयत्नशील हो पायेंगे।
4.विद्यालय का अर्थ सामाज से संबंध शिक्षा की भूमिका को रोलप्ले का आयोजन।	5. विद्यालय और समाज के परस्पर संबंधों को जान पायेंगे।
5.विभिन्न विद्यालयीन अभिकरणों का वर्गीकरण व उपयोगिता बताई गई।	6.विद्यालयीन व शैक्षिणिक अभिकरणों व उनके उपयोग की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
6.स्वयं सहयतासमूह के लक्ष्य व उद्दश्य के वर्णन किया गया तथा उनके कार्यों को बताने के लिए मॉडल तथा चार्ट बनावाया गया।	

Scanned with CamScanner

Unit -IV

सीखने सिखाने की प्रस्तावित प्रकियायें	सीखने के प्रतिफल
1. कौशल विकास का अर्थ, तराकों व प्रकारों को विस्तार से बताया गया तथा इससे संबंधित विभिन्न गतिविधियों को संपन्न कराया गया जैसे–मोमबत्ती बनाना, कटपुतली बनाना, कागज के थैले, फूल, फलोवर पॉट, ग्रीटिंग कार्ड, पेंटिंग आदि	1.विभिन्न कला कृतियों के निमार्ण तथा महत्व को समझ पायेंगे।
2. ग्राम स्तर पर उपयोगि शिक्षा की अवधारणा,स्थति,योजनाओं तथा लाभ का विसतृत वर्णन किया गया।	2. ग्रामीण परिवक्ष्य से परिचित हो पायेंगे तथा शिक्षा में आने वाली बाधाओं को जान पायेंगे।
3.विद्यालयीन शिक्षा को दैनिक जीवन से संबंधित करके प्रायोगिक रूप से वर्णित किया गया।	3.विद्यालयीन शिक्षा के रोजगारोंन्मुख व प्रायोगिक रूप को जान पायेंगे।
4. प्रायोगात्मक शिक्षा का अर्थ महत्व व लाभ का वर्णन किया गया।	4. प्रायोगात्मक शिक्षा से परिचित हो पायेंगे.
5.डिजिटली करण का अथ,महत्व,विकास हेतु प्रायासों के बारे में जानकारी प्रदान की गई।	5.डिजिटली करण को जान पायेंगे व इसके उपयोग को समझ पायेंगे।
6.उर्जा के विविद रूपों व स्त्रोतो का वर्णन किया गया। उर्जा के नवीनीकरण व अनवीकरणीय साधनों का वर्णन किया गया।	6.उर्जा के विविध स्वरूपों को जान पायेंगे।

Scanned with CamScanner

Unit -V

सीखने सिखाने की प्रस्तावित प्रकियायें	सीखने के प्रतिफल
1. पोषण का अर्थ बताया गया, परिभाषित किया गया। स्थितियों व पौष्टिक तत्वों की कमी से होने वाले रोग को बताया गया।	1. पाषण को समझ पायेंगे। पाषण की कमी से होने वाले रोग की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2.अहार का अर्थ,कार्य,अहार संबंधी नियमों को बताया गया साथ ही संतुलित अहार के लाभ व उसे प्रभावित करने वाले कार्य को का वर्णन किया।	2.अहार व संतुलित अहार को समझ पायेंगे व प्रभावों से परिचित हो पायेंगे।
3.प्राथमिक चिक्तिसा का अर्थ उद्देश्य ABC नियमों को बताया गया। प्राथमि चिकित्सा किट का निर्माण व महत्व व प्रयोगों को समझाया गया।	3. प्राथमिक चिकित्सा क्या होती है जान पायेंगे। तथा कैसे कि जाती है कि विधि से परिचित हो पायेंगे।
4. संकामक रोग, गैर संकामक रोग,विभिन्न बिमारियों का वर्णन किया गया।	4. संकामक रोगों से अवगत हो पायेंगे तथा उसेके रोकथाम की विधियां जान पायेंगे।
5.विद्यालय स्तर पर बिमारियों की रोकथाम व जागरूकता के बारे में बताया गया	5.स्वछता व वातावरण के प्रति जागरूकता ला पायेंगे।
6.व्यक्तिगत स्वछता व समुदायिक स्वछता आदि के बारे में बताया गया।	6. विद्यालय संबंधी रख रखावों को जान पायेंगे।

Scanned with CamScanner

B.Ed II Sem

Paper IV

Sociological Perspectives of Education

1. शिक्षा के सामाजिक दृष्टिकोण को छात्र समझने में सक्षम होंगे।
2. छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में भारतीय समाज में विविधता को समझने में सक्षम हो पायेंगे। भाषा,संस्कृति और शैक्षिक स्थिति के संदर्भ में अपनी समझ बना पायेंगे।
3. सामाजिक स्तरीकरण से संबंधित कुछ प्रमुख अवधारणाओं को समझने और उपयोग करने में सक्षम हो पायेंगे।
4. जाति की प्रकृति और उसमें होने वाले परिवर्तनों पर ध्यान केन्द्रित कर पायेंगे।
5. आदिवासी समुदायों के सामने आने वाली समस्याओं और आदिवासी बच्चों की शिक्षा में मुद्दों के प्रति अपनी समझ बना पायेंगे।
6. इसके अन्तर्गत सामाजिक विविधता को समझने में सक्षम हो पायेंगे।
7. शिक्षा के प्रमुख नीतियों के आधार पर शिक्षा के उद्देश्यों में अपनी समझ बना पायेंगे।
8. शिक्षा का समाजशास्त्रीय आधार को, व्यक्ति से समाज के बीच संबंध, मौजूदा सामाजिक परम्परा द्वारा समझ बना पायगें।

Scanned with CamScanner

Mrs. A.S. Deshpande
Mrs.A.Ambast

B.Ed 3rd Sem. नई तालिम कौशल आधारित अधिगम

Part II

सीखने सिखाने की प्रस्तावित प्रकियायें	सीखने के प्रतिफल
I. 1. शिक्षक स्वायत्ता का अर्थ बताया गया तथा शिक्षकों की स्वायत्ता पर कक्षा में समूहचर्चा तथा वाद विवाद कराया गया।	शिक्षक स्वायत्ता के बारे में अपनी समझ बना पायेंगे।
2.शिक्षक जवाबदेयता के बारे में जानेंगे। वर्तमान परिदृश्य में शिक्षक की जवाबदेयता कितनी हो ताकि बच्चों का सर्वोत्तममुखी विकास हो इस विषय पर कक्षा में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करना।	शिक्षक जवाबदेयता कितनी आवश्यक है उसको समझ पायेंगे।
II.(a) शिक्षा के अर्थ से परिचित करायेंगे।	शिक्षा के शाविदक अर्थ, संकुचित अर्थ, व्यापक व विश्लेषणात्मक अर्थ की समझ बनेगी। शिक्षा को विभिन्न प्रकार से जान पायेंगे तथा परिभाषित कर पायेंगे। वर्तमान सामाजिक आर्थिक परिवेश के अनुसार शिक्षा को जान पायेंगे।
(b) शिक्षा पर परिचर्चा का आयोजन कराया गया।	
(c) शिक्षा के उद्देश्यों का प्रस्तुतीकरण	
(d) शिक्षा के विभिन्न प्रकारों के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा करना।	शिक्षक के विभिन्न प्रकार के बारे में जान पायेंगे तथा विश्लेषण कर पायेंगे।
III.1. शिक्षा के मानवतावादी उपागम को समझाया जायेंगा। मानवतावादी उपागम पर परिचर्चा कराया जायेंगा।	वर्तमान समाज में हिंसा व आतंकवाद के वातावरण में मानवतावादी उपागम की जरूरत को समझ पायेंगे।
2. विद्यालयी पाठ्यचर्या में पाठ्यसहगामी गतिविधियों की आवश्यकता,महत्व, व उपयोगिता पर समूह चर्चा कर उसके बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।	विभिन्न प्रकार के पाठ्यसहगामी कियाकलापो का प्रदर्शन कर पायें। जैसे–गायन, वादन,अभिगम, खेल इत्यादि।
3. बच्चों के कार्य बनाम बाल भ्रम पर विचार रखा तथा दोनो में अंतर को समझाया गया।	बच्चों के काम और बच्चों के भ्रम में पर्याप्त अंतर कर पायेंगे।
IV. पाठ्यचर्या का अर्थ बताया जायेंगा। पाठ्यचर्या सामाग्री क्या है ? पाठ्यचर्या सामाग्री का निमार्ण कैसे किया जाता है, के बारे में बताया जायेंगा।	पाठ्यचर्या के बारे में अपनी समझ बना पायें।

Scanned with CamScanner

1. पाठ्यचर्या तथा पाठ्यकम में अंतर के बारे चर्चा किया जायेगा।	पाठ्यचर्या तथा पाठ्यकम में प्रर्याप्त अंतर कर पा रहें है।
2. वर्तमान परिदृश्य में संवेदीकरण की आवश्यकता पर समूह चर्चा कर वैश्विक मुद्दों पर विद्यार्थी संवेदकरण होना जरूरी क्यों? पर बात तथा विचार रखना।	संवेदीकरण की आवश्यकता को समझेंगे तथा वैश्विक मुद्दों (आतंकवाद, गलोबल वार्मिंग,गरीबी,जलवायु परिवर्तन) आदि मुद्दों तथा समस्याओं पर कार्य कर पायेंगे।
जैसे – जेंडर संवेदीकरण (समूह चर्चा)	
1. जलवाय परिवर्तन (Climate change) वैश्विक तापमान (Global warning) पर निबंध का आयोजन	
V. सामुदायिक सेवा का अर्थ व आवश्यकता को समझाने हेतु क्षत्रिय भ्रमण का आयोजन कराया गया। जिसके अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में समुदाय के साथ मिलकंर रचानात्मक कार्य, स्वच्छता, जागरूकता जैसे कार्यो का आयोजन किया गया।	समाज के प्रति उत्तरदायित्व को गंभीरता से समझ सकेंगे। विभिन्न समाजोपयोगी कार्यो के प्रति रूचि जाग्रत हो पायेंगी।
1. नई तालिम के द्वारा राष्ट्रीय एकता के विकास के विषय पर समूह चर्चा का आयोजन करना	नई तालिम के द्वारा राष्ट्रीय एकता को विकास किस प्रकार किया जा सकता है इसे समझ पायें।
2. नई तालिम में अनेक प्रकार की गतिविधियों एवं विषयों के द्वारा मूल्यों का विकास किया जा सकता है इसपर रोल–प्ले कराया गया।	नई तालिम की शिक्षा के द्वारा मूल्य शिक्षा को किस प्रकार वढाया जा सकता है इसे समझ पायें।
Exa-Ncc. कार्यकम द्वारा अनुशासन तथा सहयोग के मूल्यों का विकास करना।	

Scanned with CamScanner